Vol II Issue VI Dec 2012

Impact Factor : 0.1870

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 0.2105

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 6, Dec. 2012
ISSN:-2231-5063
Available online at www.aygrt.net

ORIGINAL ARTICLE

साहित्य

श्री. घोरपडे पद्माकर पाण्डुरंग

पदवियुत्तर (स्नातकोत्तर) अध्यापक

प्रस्तावना :–

कई बार यह सवाल उठाया गया कि, सहित्य का प्रयोजन क्या है? वह किसलिए है? उसका स्थान क्या है? उसका जीवन क्या है? उसका उददेश क्या है ? उसकी उपयागिता क्या है ? सृश्टि की निर्मिति होने के बाद जो समाज व्यवस्था चली वह वेदों पर आधारित थी। (यहॉ वेदों से तात्पर्य मूल वास्तविक रचना से है न कि आज समाज में प्रचलित वेद या वेदों का अर्थ से) ये वेद क्या हैं ? हमारा मानना है कि वेद एक उत्कृश्ट साहित्य ही हैं। अब प्रश्न उठता है साहित्य या काव्य क्या है ? आचार्य रामचंद्र शुक्ल कहते हैं कि, 'जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान दशा कहलाती है उसी प्रकार ह्रदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है। ह्रदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुश्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है उसे कविता कहते है' हमारा अपना मानना है कि ''(मन) ह्रदय स्थित उत्कंठ भावनाओं के तीव्र आवेग का सहज प्रस्फुटन ही काव्य अथवा साहित्य है।'' अग्निपुराण कहता है कि–

नरत्वं दुर्लभ लोके विद्या तत्र सुदुर्लभा।
कवित्व दुर्लभ तत्र शक्ति स्तत्र सुदुर्लभा।।

अर्थात लोक मे नरत्व दुर्लभ है और उसमे विद्यावान नर होना और भी दुर्लभ है। कवित्वं परम दुर्लभ है और कविता करने की शक्ति और भी दुर्लभ है। आचार्य मम्मट ने साहित्य हेतुयों पर विचार करते हुए 'काव्य प्रकाश' इस ग्रंथ मे लिखा है।

काव्य यशसेऽअर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्यः परिनिर्वृत्तये कान्तासम्मित तथोपदेशयुजे।।

अर्थात काव्य (साहित्य) यश के लिए, अर्थ प्राप्ति के लिए, व्यवहार ज्ञान और कांता (पत्नी) समान मधुर उपदेश के लिए प्रयोजनीय है।
प्रेमचंद जीवन मे साहित्य का स्थान कितना महत्वपुर्ण है यह बताते हुए लिखते है, 'साहित्य वह जादू की लकड़ी है जो पशुओं मे, ईट–पत्थरों मे, पेड़ पौधों मे भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है।'साहित्य मे अंतरात्मा का भी दर्शन हो जाए तो उसकी सार्थकता अपने आप सिध्द हो जाएगी।

साहित्य के दो रूप है– 1. मौखिक 2. लिखित. लिखित साहित्य अधिक मात्रा मे पुस्तकों में सामाहित है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी जी पुस्तकों के बारे मे लिखते है: 'कोई भी पुस्तक कुछ शब्दों का संघात है। शब्दों के समुह ही तो पुस्तक कहलाते है। परंतु वे शब्द सजाकर इस प्रकार रखे गए होते है कि इनसे हम एक अर्थ पाते रहते है।' यह अर्थ पाना ही साहित्य है। वे अन्यत्र लिखते है– 'जिस पुस्तक से यह उददेश सिध्द नहीं होता, जिस से मनुश्य शोशण और आत्याचार के विरूध्द सर उठाकर खड़ा नहीं हो जाता जिस से वह छीना–झपटी, स्वार्थपरता और हिंसा के दलदल से उबर नहीं पाता, वह पुस्तक किसी काम की नहीं है'। अर्थात द्विवेदी जी का कहना है कि साहित्य हमेशा उदात्त विचारों का ही होता है। जिस से यह उद्देश सफल नहीं होगा उसे साहित्य कहना उचित नहीं।
महिम भट्ट का मानना है कि–

प्रतिभा प्रथमोद्भेद समये यत्र वक्रता।
शब्दाभिभेय योरन्तःस्फुरतीय विभाव्यते।।

अर्थात महिम भट्ट कविता (साहित्य) को मनुश्य का तृतीय नेत्र मानते है, जिस से भावों का साक्षात्कार होता है। यहॉ कविता नवीन निर्माण या सृजन में सहायक होती है। यहॉ कविता से तात्पर्य साहित्य से ही है क्योंकि आधुनिक काल के पूर्व गद्य का उदगम नहीं हुआ था। तब समस्त पद्यात्मक साहित्य के लिए 'काव्य' शब्द का प्रयोग किया जाता था। यहॉ अवतरित साहित्य हमारी नजरों मे वह तृतीय नेत्र ही है जो नव निर्माण मे सहायक होगा।

साहित्य एक नदी की तरह होता है। साहित्य से संबंध रखकर मनुश्य नदी रूपी साहित्य के किनारे बैठ कर उसे देखकर नेत्रों को अद्वितीय आनंद दिला सकता है। नदीं रूपी साहित्य के अंदर प्रवेश कर घूम फिर कर रममाण हो सकता है। आनंद विहार कर सकता है। दुनिया कि आत्मा–परमात्मा, आकाश–पाताल इ. से रूबरू होकर अंत मे नदी रुपी पावन साहित्य मे डूबकर उस मे ज्ञान रूपी जल से पावनित होकर दूसरों को पावन बना सकता है।

अंतः दुश्यंतकुमार के ही शब्दों में
मेरे सीने में नही तो तेरे सीने में सही
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए

साहित्य की यह (आग)ज्योत हरेक के ह्रदय में युगों युगों तक प्रज्वलित रहेगी। और जब तक यह ज्योत प्रज्वलित रहेगी तब तक उसके आलोक में सब मानव समुदाय प्रकाशमय होता रहेगा। इसी में साहित्य का जीवन, महत्ता, उद्देश, उपयोगिता, प्रायोजन,स्थान आदि जो भी हो वह निर्विवाद हैं।

Title: *साहित्य* **Source: Golden Research Thoughts [2231-5063]** श्री. घोरपडे पद्माकर पाण्डुरंग **yr:2012 vol:2 iss:6**
.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net